

लुठकना 9. चक्र या वृत्त की परिधि 10. शब्द-शक्ति (अभिधा आदि रचना शैली) 11. आधेय एक अस्त्र 12. एक प्रकार का अनुप्रास तुक।

वृत्तिका स्त्री. (तत्.) 1. छात्रवृत्ति, वजीफा 2. भरण-पोषण के लिए धन राशि।

वृत्तिका-ग्राही वि. (तत्.) जिसको वृत्तिका मिलती हो।

वृत्तिकार पुं. (तत्.) 1. जो वृत्ति प्रदान करता हो 2. सूत्र, ग्रंथ आदि का कार, जिसने वार्तिक लिखा हो।

वृत्तिच्छेद पुं. (तत्.) जीविका रहित करना, किसी की रोजी-रोटी छीन लेना, नौकरी या काम-धंधे से निकाल देना, जीविका के साधनों से वंचित ही कर देना।

वृत्तिदाता वि. (तत्.) पालन करने वाला, वृत्ति देने वाला।

वृत्ति-निरोध पुं. (तत्.) 1. जीविका या कार्य में उपस्थित होने वाली बाधा 2. चित्त की वृत्ति का निरोध या लय।

वृत्ति-भंग पुं. (तत्.) जीविका हानि, वृत्ति, वैकल्य, रोजी-रोटी का नुकसान।

वृत्ति-भाषा पुं. (तत्.) वृत्ति के संबंध में प्रयुक्त भाषा, संकेत आदि, विभिन्न व्यवसायों से संबंधित, शब्दावली वाक्यावली आदि।

वृत्तिमूल पुं. (तत्.) जीविका की व्यवस्था, जीविका का आधार।

वृत्तिहंता वि. (तत्.) जीविका का साधन नष्ट करने वाला, नौकरी से निकाल देने वाला।

वृत्तिहेतु पुं. (तत्.) जीविका का आधार।

वृत्तीय वि. (तत्.) 1. जीविका से संबंधित, वृत्ति संबंधी, वृत्तिका 2. जो वृत्त के रूप में हो, वर्तुल, मंडलाकार।

वृत्त्यौचित्य पुं. (तत्.) 1. वृत्ति का उपाय या साधन 2. पद्य-रचना में विषय के अनुरूप छंद चुनने का विवेक, छंद-औचित्य।

वृत्तारि पुं. (तत्.) वृत्त का शत्रु, इंद्र, वृत्तघ्न।

वृत्त्यानुप्रास पुं. (तत्.) काव्य. एक प्रकार का अनुप्रास या शब्दालंकार, इसमें एक या अनेक व्यंजन वर्ण एक ही या भिन्न-भिन्न रूपों में बार बार आते हैं।

वृथा वि. (तत्.) 1. निरर्थक, व्यर्थ 2. मूर्खतापूर्ण।

वृथात्व पुं. (तत्.) वृथा होने का भाव या धर्म, व्यर्थता, निरर्थकता।

वृद्ध वि. (तत्.) 1. अधिक अवस्था वाला, प्रौढ़ से अधिक उम्र का, बुढ़ा 2. बुद्धिमान, चतुर स्थिति वाला प्राणी, बड़ा, चतुर, योग्य 3. सम्मानित 4. ऋषि 5. राशीभूत 6. वंशज 7. शैलज नामक गंधद्रव्य 8. ऐसा शब्द जिसके प्रथम स्वर की वृद्धि हुई हो, अस्सी वर्ष का हाथी पुं. बूढ़ा पुरुष।

वृद्ध-कुमारी स्त्री. (तत्.) आजीवन कुमारी।

वृद्धता स्त्री. (तत्.) वृद्ध होने का भाव या धर्म, बुढ़ापा।

वृद्धत्व पुं. (तत्.) दे. वृद्धता।

वृद्धश्रवा पुं. (तत्.) इंद्र, एक मुनि।

वृद्धा स्त्री. (तत्.) वृद्ध स्त्री, बुढ़िया वि. बूढ़ी।

वृद्धायु वि. (तत्.) बुढ़ापा।

वृद्धावस्था स्त्री. (तत्.) 60 से अधिक उम्र की अवस्था या स्थिति, बुढ़ापा।

वृद्धि स्त्री. (तत्.) 1. विकास, बढ़त 2. धन-दौलत, समृद्धि 3. अधिक्य, अधिकता 4. वह शौच जो घर में संतानोत्पत्ति पर होता है 5. अष्ट वर्ग के अंतर्गत एक प्रसिद्ध लता 6. वेतन आदि में होने वाली बढ़ोतरी व्या. संधि आदि में 'अ', 'इ', 'उ' का क्रमशः 'आ', 'ऐ', 'ओ' रूप हो जाना।

वृश्चिक पुं. (तत्.) 1. बिच्छू नाम का जीव या कीड़ा, केकड़ा 2. बिच्छु नाम की लता, वृश्चिकाली 3. ज्यो. बारह राशियों में से आठवीं राशि जिसमें विशाखा नक्षत्र का अंतिम चरण, पूरा अनुराधा और ज्येष्ठा नक्षत्र होते हैं 4.